

23/11/21

पत्रांत आष - लवासन - गोवो' सेग अभिपत - कुम्भ -  
मोहा पर उलुटे/ वारी उपलपटे/ वारी उर/   
शार्दिनापत्र रस आवापक/ वि। मय/ म -  
वारी एवे गटिवली के मध्य - आपारी वापनामा -  
छे - कुमाई ले. रस/ एर पर - वारि म मय/   
आका -

हमने वारी को हुनागपक/ वारी उर -  
आपनी मजरी ले उर वार के वापस ले।  
याहवा ह ले. पडा कातन के मध्य - राजी नाम/   
होगा ववाप ही कम्। वारी का शार्दिना पत्र  
स्वीकार मय/ आनक सवा वारी रली -  
रस पर वारि म (मय) आवा ही पर  
पर वारी को हलकर करवाते गते पर  
मोहल कुमाई होकर वरस ले का वारी -  
आनक हा वार/ कहर ले

